

२३/०८/२२

आज यह पत्राली पार्सी के द्वारा प्रस्तुत
प्रांप्त हावा विद्दी पेश होने पर पेश हुई।
वकील पार्सी इपाचित डायरे। वकील पार्सी
को प्रस्तुत प्रांप्त वास्तु बना गया। प्रांप्त
स्वीकार योग्य पाये जाने की स्थिति में
स्वीकार किया जाता है। अतः वाही के वाद
को इसी स्तर पर विद्दी कर सम्पन्न किया
जाता है। अग्रिम कार्यवाही इसी स्तर पर

लु लु पा ल

श्रेण की जाती है। प्राप्त की गयी शुमार होकर नम्बर से
कम हो। बाक लक्ष्मील यमा जिया लेख भण्डार हो।
सुनाया गया। प्राप्त शामिल प्राप्त रही।

सहायक कलेक्टर
मुण्डावर (अलवर) राज०